

चाँद चढ़यो गिंगनार

चाँद चढ़यो गिंगनार,श्यामा कुछ तो दया बिचार
दास थारो डीके छ जी डीके छ...

सरे साँझ से द्वारे ठाडो बालक ने पुचकारोजी,
रतनारी आंख्या ने खोलो ,सेवक और निहारोजी,
सोया होगी बार,श्यामा अब तो पलक उघाड़,
रात यु बीते छ जी बीते छ
चाँद चढ़यो गिंगनार....

भगत घनेरा भेला होसी ना दिलडे में चैन जी,
यही सोचकर आ गयो में सुनी पासी रेन जी,
करवट लयो करतार ,अरे ओ लीले के असवार,
कारज म्हारा अटके छ जी अटके छ
चाँद चढ़यो गिंगनार....

बेगो आज्या श्याम बिहारी,धीरज ना अब और जी,
था बिन महारा परम सनेही ,ना कोई दूजी ठोर जी,
हाथ बढ़ाओ आज ,बच्चाओ निज सेवक की लाज
आश एक थारी छ जी थारी छ.
चाँद चढ़यो गिंगनार....

काशीराम चरण को सेवक गुण थारा ही गावेजी,
मांगेलाल कहे गुरु कृपा से भवसागर तर जयावे जी
बेगा आओ नाथ ,पकड़ल्यो निज सेवक को हाथ
चरण रज थारी छ जी थारी छ
चाँद चढ़यो गिंगनार....

भजन रचियता: मांगेलाल महमिया झुंझुनू

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/2517/title/chand-chadiyo-gigna-ar-shyama-kuch-to-daya-vichar>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |